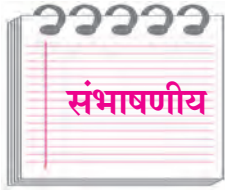


१. वसंत-वर्षा

- पद्माकर भट्ट



‘मेरी प्रिय ऋतु’ पर चर्चा कीजिए :-

कृति के लिए आवश्यक सोपान :

- भारत में कौन-कौन सी ऋतुएँ हैं, उनके बारे में पूछें ।
- ऋतुओं के कारण प्रकृति में होने वाले विविध परिवर्तनों पर चर्चा कराएँ ।
- उनकी प्रिय ऋतु कौन-सी है और क्यों, इसपर विद्यार्थियों को लिखने के लिए कहें।

कूलन में केलि में कछारन में कुंजन में
क्यारिन में कलिन में कलीन किलकंत है ।
कहे पद्माकर परागन में पौनहू में
पानन में पीक में पलासन पगंत है ।
द्वार में दिसान में दुनी में देस-देसन में
देखौ दीप-दीपन में दीपत दिगंत है ।
बीथिन में ब्रज में नवेलिन में बेलिन में
बनन में बागन में बगरयो बसंत है ॥१॥
मल्लिक न मंजुल मल्लिंद मतवारे मिले,
मंद-मंद मारुत मुहीम मनसा की है ।
कहे ‘पद्माकर’ त्यों नदन नदीन नित,
नागर नबेलिन की नजर नसा की है ।
दौरत देर देत दादुर सु दुंदै दीह,
दामिनी दमकंत दिसान में दसा की है ।
बद्धलनि बुंदनि बिलोकी बगुलात बाग,
बंगलान बलिन बहार बरषा है ॥२॥

परिचय

जन्म : १७५३ सागर (म.प्र.)

मृत्यु : १८३३

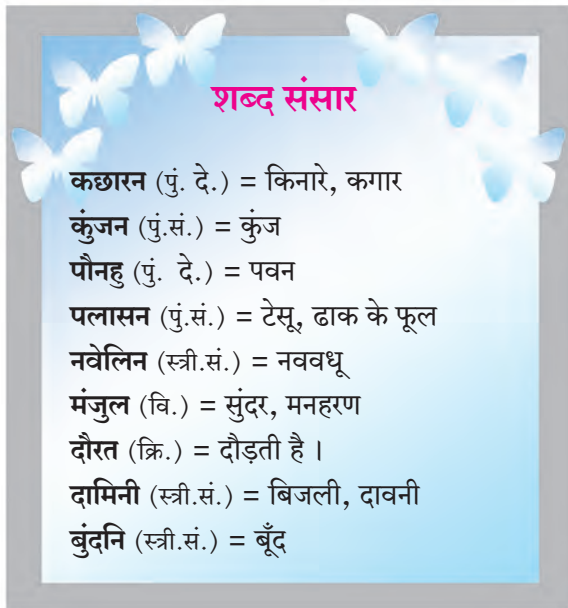
परिचय : पद्माकर भट्ट रीतिकालीन कवियों में श्रेष्ठ स्थान रखते हैं । आपने कल्पना के माध्यम से शौर्य, शृंगार, भक्ति, प्रेम, मेलों-उत्सवों, युद्धों और प्राकृतिक सौंदर्य का मार्मिक चित्रण किया है । आपकी रचनाओं में अलंकार सहज ही प्रचुरता से दिखाई देते हैं । संस्कृत, प्राकृत और ब्रजभाषा पर आपका प्रभुत्व था । दोहा, सवैया और कवित्त पर आपका असाधारण अधिकार था ।

प्रमुख कृतियाँ : हिम्मत बहादुर विरुदावली, जगत-विनोद, यमुना लहरी, गंगा लहरी आदि (काव्य ग्रंथ) रामरसायन, हितोपदेश (अनुवाद) ।

पद्य संबंधी

सवैया : यह एक वार्णिक छंद है । इसमें चार चरण अथवा पद होते हैं । वार्णिक वृत्तों में २२ से २६ अक्षर के चरण होते हैं ।

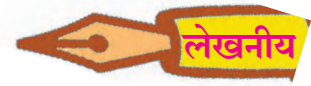
प्रस्तुत सवैया में पद्माकर जी ने वसंत और वर्षा ऋतुओं के विविध प्रभावों को छंद बद्ध किया है ।



‘जलसंवर्धन’ के संदर्भ में
 जानकारी प्राप्त कीजिए।



विविध ऋतुओं में आने वाले
 त्योहारों के संदर्भ में जानकारी
 पढ़िए तथा उनके प्रमुख मुद्दों
 का संकलन कीजिए।



‘वर्षा ऋतु के बाद प्रकृति का नया
 रूप’ इसपर अपने अनुभव लिखिए।



आकाशवाणी पर विविध प्रांतों
 के लोकगीतों को सुनिए तथा
 कोई एक गीत कक्षा में सुनाइए।



निम्न शब्दों को लेकर चार पंक्तियों
 की कविता लिखिए।
 बादल, बिजली, धरती, नदी



(१) सूचनानुसार कृतियाँ कीजिए :-

(क) कविता में वर्णित इनसे प्रभावित क्षेत्र :

वसंत	वर्षा
(१)	(१)
(२)	(२)
(३)	(३)
(४)	(४)

(ख) निम्नलिखित शब्दों के लिए कविता में प्रयुक्त शब्द लिखिए :

पवन	बारिश	मेंढक	पत्ता
↓	↓	↓	↓

(२) एक ही वर्ण का प्रयोग करते हुए अर्थपूर्ण शब्दों की रचना कीजिए तथा उनसे वाक्य तैयार कीजिए ।

(३) निम्नलिखित पद्य पंक्तियों का भावार्थ लिखिए :

(च) द्वार में दिसान में दुनी में देस-देसन में
देखौ दीप-दीपन में दीपत दिगंत है ।

(छ) 'बद्दलनि बुंदनि बिलोकी बगुलात बाग
बंगलान बलिन बहार बरषा है।'



अंतरजाल से भारत में पाए जाने प्राकृतिक
सौंदर्यवाले दर्शनीय स्थलों का वर्णन पढ़िए ।



.....

.....

.....